जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 60 प्रभात उदयपुर, बुधवार 31 दिसम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी से नज़दीकी का भरपूर लाभ उठा रहे हैं वेणुगोपाल राजस्थान में

प्रभारी रंधावा की मदद से वे डोटासरा की प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी बचाने की पूरी कोशिश में हैं तथा सी.डब्ल्यु.सी. बैठक में भी उन्होंने जमकर प्रदेशाध्यक्ष का खुलकर गुणगान किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव होने के नाते एक निष्पक्ष अंपायर होने के बजाय, के सी वेणुगोपाल विभिन्न राज्यों की इकाइयों में चल रहे झगड़ों का हिस्सा क्यों बन रहे हैं?

उदाहरण के लिए राजस्थान को ही ले लीजिए, लोकसभा में चुने जाने से पहले वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद थे।

वेणुगोपाल ने सीडब्ल्यूसी की एक बैठक में राजस्थान कांग्रेस की खुलकर तारीफ की और कहा कि वे कितना शानदार काम कर रहे हैं और उन्हें सराहा जाना चाहिए। यह तारीफ असल में पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा और राजस्थान के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रंधावा के लिए थी।

- वेणुगोपाल की, अपनी मर्ज़ी से पार्टी को चलाने की प्रवृत्ति से दुखी मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी व पार्टी के कई वरिष्ठ नेता काफी नाखुश हैं तथा राहुल गांधी भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गए हैं।
- यह भी साफ दिखने लगा है कि अपने व्यक्तिगत एजेण्डा के तहत किसी नेता को पनपाने तथा किसी को गिराने की वेणुगोपाल की आदत अब वेणुगोपाल को भारी पड़ेगी तथा नए साल में संभवतया, मलमास की समाप्ति के बाद, जो भारी परिवर्तन होने की चर्चा है कांग्रेस में, उस परिवर्तन में वेणुगोपाल को झटका लग सकता है।
- क्योंकि, उनके एकतरफा निर्णयों से राजस्थान में जातिगत समीकरण बहुत बिगड़ गए हैं तथा यह भी साफ दिखने लगा है कि किन्हीं कारणों से वे डोटासरा को प्रदेशाध्यक्ष बनाए रखना चाहते हैं, शायद सचिन पायलट का रास्ता ब्लॉक करने के लिए।

रंधावा कट्टर जाट सिख हैं और जाटों के मामले में काफी सख्त माने जाते हैं, जबकि डोटासरा भी जाट हैं और वे राज्य में अन्य जातियों की कीमत पर जाटों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन दोनों ने मिलकर एक टीम बना ली है और वेणुगोपाल भी इस टीम का हिस्सा हैं, क्योंकि वे पंजाब गुट से जुड़े हुए हैं और उसे कंट्रोल करते हैं, जिससे रंधावा भी जुड़े हैं।

जैसा कि इस संवाददाता ने पहले भी रिपोर्ट किया है, राजस्थान में जातिगत समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए हैं, क्योंकि सिर्फ एक ही जाति पर ध्यान दिया जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि वेणुगोपाल का दूसरा एजेंडा यह है कि वे अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांस्टेबल भर्ती की महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई व वजन पुनः नापें'

जयपुर, 30 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2025 से जुड़े मामले में महिला अभ्यर्थी की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को कहा है कि वे इस संबंध में मेडिकल बोर्ड का गठन करें और याचिकाकर्ता की ऊंचाई और वजन की पुनः माप करते हुए रिपोर्ट एडीजी, भर्ती को सीधे भेज दें। इसके साथ ही अदालत ने मामले में गृह सचिव, डीजीपी, एडीजी भर्ती और एसपी दूरसंचार को नोटिस जारी कर

- हाई कोर्ट ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक को इसके लिए मैडिकल बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए।

जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा रावत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार की ओर से आयोजित कांस्टेबल भर्ती-2025 में भाग लिया था, जिसकी लिखित परीक्षा में पास होने के बाद उसे मेडिकल के लिए बुलाया गया। याचिका में मेडिकल के परिणाम को चुनौती देते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी अपनी विदेश यात्रा का प्रोग्राम रद्द कर, रणथंभौर पहुँचे पूरे परिवार के साथ

रणथंभौर में प्रियंका गांधी के पुत्र, 25 वर्षीय रेहान की उनकी पुरानी गलफ्रैंड अवीवा बेग के साथ सगाई कार्यक्रमों में भाग लेंगे राहुल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी सात साल पुरानी प्रेमिका अवीवा बेग से सगाई कर ली है।

- अवीवा बेग की माँ नंदिता बेग, प्रियंका गांधी की पुरानी मित्र हैं, इंटीरियर डिज़ाइनर हैं तथा उनके पति इमरान बेग एक सफल बिज़नैसमैन हैं तथा बेग परिवार दिल्ली में रहता है।

रेहान वाड्रा, 25, ने सोमवार को अपनी प्रेमिका अवीवा बेग को दोनों परिवारों की मौजूदगी में "प्रपोज़"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

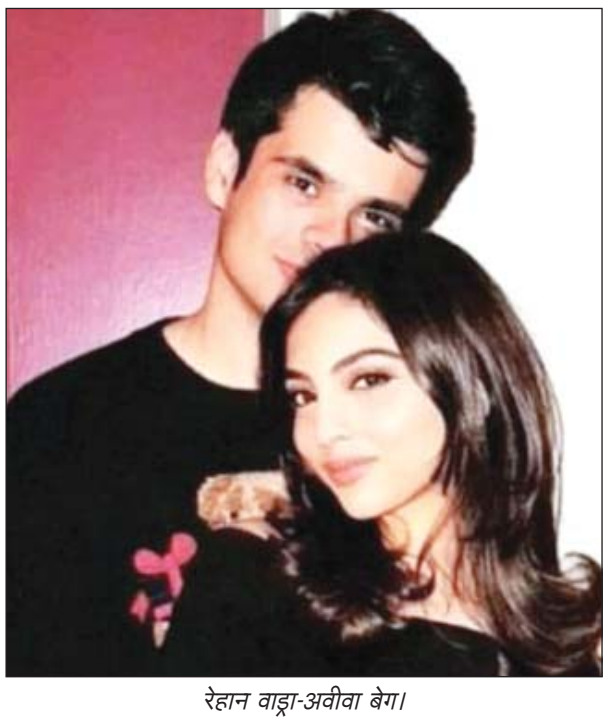

रेहान वाड्रा-अवीवा बेग।

सिंधु जल विवाद पर भारत ने पाकिस्तान को एक और करारा झटका दिया

भारत ने चेनाब नदी पर दुलहस्ती पावर प्रोजैक्ट के द्वितीय चरण को मंजूरी दे दी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। सिंधु नदी की पश्चिमी सहायक नदियों का तेजी से उपयोग करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, पर्यावरण मंत्रालय ने किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की "दुलहस्ती स्टेज-2" जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिस पर पाकिस्तान की ओर से तुरंत प्रतिक्रिया आई है। पीपीपी (पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी) नेता और पूर्व फैडरल मंत्री शेरी रहमान ने कहा, "यह कदम 1960 की सिंधु जल संधि के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है तथा इससे पाकिस्तान के जल अधिकार कमज़ोर होते हैं और क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है।"

- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बनने जा रहा 260 मैगावाट के दुलहस्ती स्टेज-2 पावर प्रोजैक्ट को लेकर पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला गया है।
- पाकिस्तान का कहना है कि इससे खेती को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलेगा, पाकिस्तान में खाने का संकट पैदा हो जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि पहलगाम अटैक के बाद भारत ने 1960 में हुई सिंधु जल संधि खत्म कर दी थी और इस संधि के तहत रावी, व्यास सतलुज पर भारत का तथा झेलम, चेनाब और सिंधु पर पाकिस्तान का अधिकार था।

पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में भारी कोहरा 115 उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण मंगलवार को 115 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं और 16 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह नौ बजे तक विभिन्न एयरलाइंस की यहां से जाने वाली 58 उड़ानें रद्द रहीं। इसके अलावा, दूसरे

- दिल्ली हवाई अड्डे के अफसरों ने बताया कि 16 उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा।

शहरों से यहां आने वाली 60 उड़ानें भी रद्द रहीं। यहां आने वाली 16 उड़ानों को दूसरे शहरों में डायवर्ट करना पड़ा। इसके अलावा 200 से अधिक उड़ानों में देरी होने की खबर है।

दिल्ली हवाई अड्डे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया कि सोमवार रात 10 बजे के बाद से ही कैट-3 की प्रक्रिया के तहत उड़ानों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1943 में 30 दिसंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पहली बार भारत का राष्ट्रीय "ध्वज" फहराया था, अंडमान-निकोबार में

भाजपा ने प्रतीकात्मक तरीके से 30 दिसंबर को अपना चुनाव अभियान शुरु किया बंगाल में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 30 दिसंबर 1943 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहली बार स्वतंत्र और संप्रभु भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने की वर्षगांठ का लाभ उठाते हुए, भाजपा ने आज बंगाल में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की।

यह भाजपा के लिए एक नया तरीका था, जिसमें वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में लोगों को लुभाने के लिए बंगाली भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रही है। पार्टी के लिए आशाजनक बात यह थी कि पिछले चुनावों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ता रहा है और अब पार्टी लगभग तृणमूल के बराबर पहुंच गई है।

- अब तक तृणमूल सबसे आगे रहती थी, बंगाली "सैंटीमैंट" को उभारने में और उसका राजनीतिक लाभ उठाने में।
- पर, इस बार, शायद ममता जी को 30 दिसंबर का महत्व ध्यान में नहीं आया और वे चूक गईं और भाजपा ने इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस को मात दे दी।
- साथ ही ममता जी, कुछ हतप्रभ सी हैं, क्योंकि, उन्हें पहली बार, मुस्लिम कट्टरपंथियों में कुछ बगावत की हवा भी दिख रही है, अतः ममता जी हिंदू समर्थक कदम भी उठाने पर मजबूर सी हो गई हैं।
- यह भांपते हुए, अमित शाह ने बांग्लादेश से घुसपैठियों के मुद्दे को चुनाव अभियान का मुख्य मसला बना दिया है।

तृणमूल कांग्रेस, जो बंगाल की भावनाओं से जुड़ी हर चीज़ को तुरंत हथियाने में सबसे तेज़ है, लगता है, इस बार इस दिन को याद करने और इसका जश्न मनाना भूल गई। भाजपा ने तृणमूल से सीख लेते हुए, इस दिन को अपने राजनीतिक अभियान की शुरुआत के लिए इस्तेमाल किया।

दूसरी ओर तृणमूल ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा "दुशासन" का प्रतीक है। बनर्जी अब कुछ उलझन में हैं और मुस्लिम असंतोष का सामना कर रही हैं, इसलिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो को जीएसटी से दो नोटिस

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने 458.26 करोड़ रुपये से अधिक के लिए दो अलग-अलग नोटिस जारी किये हैं।

दिसंबर के पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करने के बाद कंपनी

- 458.26 करोड़ रु. भरने के आदेश।

को जीएसटी विभाग से अब तक तीन नोटिस मिल चुके हैं।

एयरलाइंस ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे दक्षिणी दिल्ली कमिश्नरेट के केन्द्रीय जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त से 29 दिसंबर को यह नोटिस प्राप्त हुआ है। इसमें 4,58,26,16,980 रुपये का जीएसटी, ब्याज और जुर्माना भरने के लिए कहा गया है। यह मांग वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए है। जीएसटी विभाग ने इस नोटिस में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त मुआवजे पर जीएसटी के साथ ब्याज और जुर्माने की मांग की है। साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन के आवास पर यूक्रेन के ड्रोन हमले पर प्र.मंत्री मोदी ने गहरी चिंता जताई

प्र.मंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, यूक्रेन वॉर का तनाव निरंतर बढ़ रहा है, ऐसे में शांति स्थापना के लिए एकमात्र रास्ता कूटनीति है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निवास पर हमले की खबरों से वे काफी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि यूक्रेन युद्ध लगातार बढ़ रहा है, युद्ध से जुड़े तनावों के बीच शांति स्थापना के लिए कूटनीति ही एकमात्र मार्ग है।

मोदी ने एक्स पर लिखा "रूस के राष्ट्रपति के निवास को निशाना बनाए जाने की रिपोर्ट्स पर गहरी चिंता व्यक्त करता हूं। चल रहे कूटनीतिक प्रयास शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए सबसे व्यवहारिक रास्ता प्रदान करते हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे इन प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित रखें और किसी भी ऐसी कार्रवाई से बचें जो इन्हें कमज़ोर कर सकती हो।" मोदी का संदेश भारत-रूस संबंधों की स्थिति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री का बयान तब आया, जब रूस ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने पुतिन के सरकारी निवास को निशाना बनाने की कोशिश की, जो मॉस्को के पश्चिमी हिस्से, नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित है, हालांकि कीव ने इस आरोप से इनकार किया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति पुतिन उस समय निवास में मौजूद थे, जब कथित हमला हुआ।

हालांकि, यूक्रेन ने हमले के आरोपों को खारिज किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की ने इन दावों को "झूठ का एक और पुलिंदा" करार दिया, जो रूस द्वारा नए हमलों को सही ठहराने और कूटनीतिक प्रयासों को कमज़ोर करने के लिए फैलाए जा रहे थे।

- ज्ञातव्य है कि रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन अटैक किया है और इसका जवाब दिया जाएगा।
- यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताया व कहा कि अभी जो शांतिवार्ता चल रही है, उसे रोकने के लिए रूस ये झूठ फैला रहा है।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा, यूक्रेन के पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले की खबरों से वे बेहद गुस्से में हैं।

ज़ेलेन्स्की ने कहा कि दरअसल, मॉस्को यूक्रेन के सरकारी भवनों पर हमले की योजना बना रहा है और यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं की प्रगति को पटरी से उतारने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने ट्रम्प से अपील की कि वे रूस के बढ़ते खतरे के संदर्भ में प्रतिक्रिया दें।

वहीं, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि यूक्रेन ने 28-29 दिसंबर को पुतिन के निवास पर लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च किए थे, जिनमें से सभी को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी घायल नहीं हुआ और न ही कोई क्षति हुई।

लावरोव ने इस कथित घटना को "स्टेट टैररिज़्म" बताते हुए चेतावनी दी कि मॉस्को अपनी वार्ता की स्थिति की समीक्षा करेगा, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि रूस वार्ता छोड़ने का कोई इरादा नहीं रखता।

लावरोव ने कहा, "ऐसी मनमानी कार्रवाहियों को उत्तर दिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा," लावरोव ने साथ ही यह भी जोड़ा कि रूस की सशस्त्र सेनाओं द्वारा प्रतिशोधात्मक हमलों के लिए लक्ष्य पहले ही तय कर लिए गए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कथित हमला उस समय हुआ, जब शांति समझौते पर बातचीत चल रही थी।

रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने अपने वरिष्ठ अधिकारी की बात को आगे बढ़ाते हुए यह दावा किया कि ब्रिटेन ने यूक्रेन की नवीनतम भड़काऊ कार्यवाही में भूमिका निभाई, जिसका उद्देश्य शांति प्रक्रिया को बाधित करना था, यह जानकारी राज्य समाचार एजेंसी "तास" द्वारा दी गई।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि पुतिन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना के ध्रुव एनजी में आम नागरिक भी सफर कर सकेंगे

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। बेंगलुरु में एक बड़ा और गर्व का पल साकार हुआ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव-न्यू जनरेशन (एनजी) ने मंगलवार को अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली।

यह उड़ान ध्रुव प्लेटफॉर्म को सिविल और निर्यात बाजारों में नई

- हैलीकॉप्टर बनाने वाली कम्पनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बताया कि इसमें सुरक्षा के लिए कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं।

ताकत देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एचएएल की ओर से डिजाइन और निर्मित ध्रुव एनजी एक 5.5 टन वजनी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)